तापमान

अधिकतम 28.8 डिग्री
न्यूनतम 8.8 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

11 भाजपा ने माफी ढांडा तो कांग्रेस ने सुनीता नेहरा को उतारा ...

12 मेयर चुनाव में भाजपा ने सैलजा तो कांग्रेस ने ...

खबर संक्षेप

जसवीर सिंह एईओ के पद पर किया ज्वाइन

कुरुक्षेत्र। डीपीआई जसवीर सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एईओ के पद पर कार्य ग्रहण किया। एईओ जसवीर सिंह ने कहा कि वह जिला कुरुक्षेत्र में स्कूली क्रीडा प्रतियोगिताओं के कार्य को सुचारु ओर बेहतरीन ढंग से संचालित करने का भरपूर प्रयास करेंगे इसके लिए जसवीर सिंह ने जिला के उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षकों से सहयोग की कामना भी की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा ने जसवीर सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

दो मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार

अंबाला। थाना मुलाना क्षेत्र मारकंडा पुल के पास से चोरी की मोटरसाइकिल रखने के मामले में पुलिस ने आरोपी संजू खान उर्फ जर्दा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जर्दा के पास दो चोरी की मोटरसाइकिल है। नाकाबंदी के दौरान ही पुलिस ने आरोपी को काबू किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दोनों बाइक जब्त की हैं।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी समीर को गिरफ्तार किया है। आरोपी से एक अन्य मामले में चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। कच्चा बाजार के रहने वाले लखविंद्र सिंह ने 13 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 15 अक्तूबर 2024 को सुभाष पार्क के बाहर से आरोपी ने उसकी मोटरसाईकिल चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

युवक ने घर में घुसकर दंपत्ति पर किया हमला

यमुनानगर। शहर की कृष्णा कॉलोनी में बीती रात एक युवक ने घर में घुसकर दंपत्ति पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कृष्णा कॉलोनी निवासी दीपा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात को वह अपने पति सुशील व बच्चों के साथ घर पर मौजूद थी। इस दौरान रात करीब 10 बजे यीशु नामक युवक उनके घर घुस गया। आरोपी ने आते ही उस पर तथा उसके पति पर हमला कर दिया।

ताला तोड़कर चुराए सोने व चांदी के आभूषण

यमुनानगर। शहर की रेलवे कॉलोनी में चोरों ने सूने घर का ताला तोड़कर सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे कॉलोनी निवासी अवनीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 फरवरी को शाम छह बजे वह अपने घर का ताला लगाकर किसी काम से बाहर गया था। 14 फरवरी को जब वह वापस घर लौटा तो ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

शादी का झांसा देकर किशोरी को किया अगवा

यमुनानगर। शहर की कृष्णा कॉलोनी से एक युवक ने शादी का झांसा देकर किशोरी को अगवा कर लिया। पुलिस ने लड़की के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कार ने 2 साल की बच्ची को कुचला, मौत

पानीपत। पानीपत में एक 2 साल की बच्ची को कार ने कुचल दिया। हादसे के वक्त बच्ची अपने घर के बाहर ही खेल रही थी। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हुई तो कार ड्राइवर खुद बच्ची और उसकी मां को अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

करनाल में कई कबूतरबाजों और उनके सहयागियों पर कसा शिकंजा

डंकी रूट से अमेरिका भेजने पर करनाल के सुरजीत व तीन सहयोगियों पर केस

- पचास लाख रुपये खर्च करने के बाद भी नहीं सपना साकार हुआ डालर कमाने का
- सब्जियों के ट्रक में छिप कर अमेरिका गया था गुरविंदर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पंजाब पुलिस ने अवैध रूप से डंकी रूट से अमेरिका भेजने के आरोप में करनाल के सीएचडी कालोनी निवासी सुरजीत सिंह तथा उसके सहयोगी अनिल बत्रा, सुमित और राणा के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज किया हैं। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस निदेशक हरियाणा के आदेश के बाद इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया हैं। पुलिस अमरीका से निर्वासित भारतीय युवाओं की शिकायत पर जांच कर रही हैं। गलत ढंग से अमरीका भेजने वाले एजेंटों तथा उनके सहयोगियों के साथ राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के लोगों को तलाश रही हैं। जल्द ही करनाल के कई लोगों पर पुलिस और जांच ऐजेंसियों पर गाज गिर सकती हैं। कई एजेंट उनके रिश्तेदार भूमिग्रत हो चुके हैं। अमरीका द्वारा डिपोट किए गए गुरविंदर सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी गांव किशनगढ़ थाना भादसो जिला पटियाला ने बताया कि उसके चार भाई हैं, जिनमें से तीन भाइयों की शादी हो चुकी है, एक भाई अविवाहित है वह सभी अलग-अलग तरह से रह रहे हैं और अपना काम खुद कर रहे हैं। उसने 11वीं कक्षा पास की है, मैं फोटोग्राफी का काम करता था। फिर वर्ष 2005 में मेरी शादी पटियाला जिले के सिवाना गांव निवासी नीला सिंह की बेटी वीरपाल कौर से हो गई, परिवार बढ़ने और फोटोग्राफी का काम खराब होने के कारण मैं वर्क परमिट लेकर 2013 में साइप्रस चली गई। जहां 5 साल बाद मैं अपनी पत्नी वीरपाल कौर को अपने साथ साइप्रस ले गया।

फिर साल 2022 में मैं अपने बच्चों को पढ़ाकर वापस भारत आ गया। मेरे पास लगभग तीन एकड़ जमीन थी, जिस पर मैं खेती नहीं कर सकता था, इसलिए मैंने अपने घर के लिए गायें पाल रखी थीं। उसकीशादी हरियाणा में एक रिश्तेदार के यहां हुई थी, जहां मेरी मुलाकात सुरजीत सिंह पुत्र कली राम निवासी सीएचडी से हुई। कॉलोनी करनाल में शादी में मिला, जिसने कहा कि वह पुरुषों को विदेश भेजता है। चूंकि मेरे बच्चे बड़े हो गए हैं और शिक्षा की लागत अधिक है, इसलिए मैंने फिर से विदेश जाने का फैसला किया। उसने सुरजीत सिंह से बात की, जिन्होंने उसे बताया कि वहं अमेरिका भेजने के लिए 50 लाख रुपये लेता है और 15-20 दिनों में विदेश भेज देता हूं, इसलिए मैंने अपनी 3 विघे जमीन जगदेव सिंह निवासी गांव सिधुवाल को, जिसकी जमीन मेरी जमीन के साथ लगती है, लगभग 18 लाख रुपये में बेच दी। 5 जून 24 को सुरजीत सिंह म उसके घर आया जिसने मेरी मां सरबजीत कौर की उपस्थिति में मुझसे 15 लाख रुपये की अग्रिम राशि ली।

सुरजीत ने 22 जून 2024 को दुबई भेजा

फिर उसके करीब 10 दिन बाद मैं अपनी मां सरबजीत कौर और फुफर के एक दूर के रिश्तेदार सकरा कैथल आठ माह लग गए अमेरिका भेजने में वादा किया था सात दिनों काहरियाणा निवासी पुनित के साथ सुरजीत सिंह पुत्र कली राम को उसके घर सीएचडी पर 30 लाख रुपये नकद देने गए। करनाल में कॉलोनी लाई गई। इस रकम में से मैंने अपने घर और बैंक से करीब 16 लाख रुपये कर्ज लिया था और कुछ रकम अपने रिश्तेदारों से ब्याज के तौर पर ली थी और सोने के गहने बेचकर कुल 45 लाख रुपये सुरजीत सिंह को दे दिए थे। सुरजीत सिंह ने सबसे पहले उसे 22 जून 2024 को दुबई भेजा, जहां से वह लगभग 45 दिनों के बाद वापस दिल्ली आ गया, जहां वह 10-15 दिनों के लिए गली नंबर 4 होटल शांति स्टे महिपालपुर दिल्ली में रुका। इसके बाद मैं अगस्त .2024 को फिर से दुबई गया, जहां सुरजीत सिंह के परिचित अनिल बत्रा और सुमित ने कॉनक्री शहर के लिए मेरी उड़ान की व्यवस्था की, जहां से एम्स्टर्डम शहर के लिए मेरी उड़ान की व्यवस्था की गई। जहां उसे रोका गया और वह सात दिनों तक एयरपोर्ट पर रहा, फिर पुलिस ने मुझे पकड़ लिया और रिटर्न टिकट लेने का निर्देश दिया। जहां से वह दिल्ली का टिकट लेकर 6 सितंबर 2024 को भारत लौटा और फिर उक्त सुरजीत सिंह को इसके बारे में बताया।

16 सितंबर को फ्लाइट से सूरीनाम पहुंचा

फिर सुरजीत सिंह के कहने पर मैं मुंबई चला गया। जहां से सुरजीत सिंह ने सूरीनाम के लिए मेरे टिकट की व्यवस्था की थी, वह 16 सितंबर को 24 को बॉम्बे से फ्लाइट द्वारा सूरीनाम पहुंचा। जहां सुरजीत सिंह के आदमी उन्हें और लगभग 20 अन्य लोगों को नावों से गुयाना ले गए, फिर गुयाना से वे हमें वाहनों में ब्राजील ले गए, जिसमें दो दिन लगे। उन्हें सब्जियों कें ट्रक में छिपा कर ले जाया गया ब्राजील से बोलीविया, पेरू, इक्वाडोर और फिर कोलंबिया तक बस से ले जाया गया जिसमें लगभग 3 दिन लगे, जहां वह लगभग 12-13 दिनों तक रहे। कोलंबिया में एजेंट सुरजीत सिंह ने मुझे राणा नाम के एक व्यक्ति का फोन नंबर दिया। व्यक्ति आपको अमेरिका जाने के लिए मार्गदर्शन करेगा, जिसके साथ उसने संपर्क किया, राणा द्वारा भेजे गए लोग हमारे पास आए और मेरे और बाकी लोगों के पासपोर्ट ले गए और हमने 25-30 लोगों को कोलंबिया से कपूरगाना द्वीप तक नाव से भेजा। इसके बाद उन्होंने हमें एक नाव में बिठाया और पनामा के जंगलों में छोड़ दिया। सुरजीत सिंह का आदमी हमें पैदल जंगल के रास्ते ले गया। जहां हम करीब 4-5 दिन तक चलते रहे। फिर पनामा से 10-10 लोगों को सब्जी की गाड़ियों में सब्जियों के बीच छिपाकर पनामा सिटी ले जाया गया. फिर हमें पनामा सिटी से कोस्टा रिका तक बस से भेजा गया, जहां हमने पूरी रात यात्रा की। फिर कोस्टा रिका से निकारागुआ तक, निकारागुआ से होंडुरास तक, होंडुरास से ग्वाटेमाला ग्वाटेमाला और मैक्सिको सीमा तक। जहां करीब 36 घंटे लग गए. हममें से 10 लोगों को तेजवाना से कार द्वारा अमेरिकी सीमा तक ले जाया गया। जहां एक घंटे बाद हमें सीमा गश्ती दल द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और चौकी पर ले जाया गया, जहां हमें 9 दिनों तक रखा गया।

तीन मार्च 2025 को भारत भेजा गया

फिर हमें हथकड़ी लगाकर एक बस में डाल दिया गया और सैन्य शिविर में ले जाया गया, जहां से हमें एक सैन्य जहाज में तीन मार्च 2025 को भारत भेजा गया। विमान ने हमें अमृतसर हवाई अड्डे पर उतार दिया। सुरजीत सिंह ने मुझसे 45 लाख रुपये लेकर डेन्की के माध्यम से अमेरिका भेज दिया। अमेरिका जाते समय जब मैं एम्सटर्डम शहर में था तो सुरजीत सिंह ने अनिल बत्रा नामक एजेंट के फोन पर होटल बुक करने के लिए 21 हजार रुपये जमा करने को कहा. लेकिन मेरे भतीजे पुनित ने अनिल बत्रा के खाते में 21 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिये. सुरजीत सिंह ने अपने साथी एजेंट सुमित और अनिल बत्रा से भी फोन पर बातचीत की. यह व्यक्ति सुमित, सुरजीत सिंह और अनिल बत्रा मुझे फोन करते रहे और मार्गदर्शन करते रहे। सुरजीत सिंह ने अपने साथी एजेंटों सुमित और अनिल बत्रा के साथ मिलकर अमेरिका भेजने के लिए आठ महीने का समय लिया और 15-20 दिनों में अमेरिका भेजने का वादा किया।

समालखा में वारदात, पुलिस कर रही जांच

पत्नी से परेशान युवक ने जहरीला पदार्थ निगला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

समालखा कस्बे में एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। युवक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने अपने मम्मी-पापा, बच्चों के लिए गिनी.चुनी लाइनें लिखी, लेकिन ये लाइन ही भावुक करने वाली हैं। मृतक के रिटायर्ड पिता ने सुसाइड नोट और शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। साथ ही आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक समालखा बिजली निगम में ठेकेदार के अंतर्गत एएलएम पद पर था। समालखा थाना पुलिस को दी शिकायत में सतबीर चालिया ने बताया कि वह हथवाला रोड का रहने वाला है। उसके बेटे रोकी राज को उसकी पत्नी मिनाक्षी और उसके परिवार के लोग बिना वजह परेशान करते रहते थे। 14 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे रोकी अपने भाई रेयांश और बहन श्रेया के साथ घर की छत पर बैठा हुआ था। तीनों आपस में बात कर रहे थे। तभी अचानक रोकी को उल्टी हुई, तो उससे बदबू आई।

जिससे परिजनों को महसूस हुआ कि उसने कुछ जहरीला पदार्थ खाया है। करीब 11 बजे उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल में चेकिंग के दौरान उसकी जेब से एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने पूरी आपबीती लिखा हुई थी।

गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के एक्सपोर्टर दुबई पहुंचे

गैलेक्सी बासमती चावल का गल्फ फूड मेले में लगाया जाएगा स्टाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

इस साल भी दुबई में आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में फिर से तरावड़ी के चावल एक्सपोर्टर अपने अपने ब्रांड के स्टाल लगाने के लिये दुबई पहुंच चुके है। वर्ल्ड ट्रैड सेन्टर दुबई में सोमवार 17 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के अधिकतर चावल व्यापारी स्टॉल लगाऐंगे। काबिलेगौर है कि दुनिया के कई देशों के लोगों को तरावड़ी के बासमती चावलों की सुगंध खूब भाती है। जिसका अंदाजा दुबई में लगे गल्फ फूड मेले में देखने को मिलता है। शहर के चावल व्यापारियों का कहना है कि ऐतिहासिक शहर तरावड़ी के चावलों की महक कई देशों की थाली में बिखरती है। तरावड़ी शहर बासमती चावलों की नगरी के नाम से मशहूर है, जिसमें विश्व भर में पहचान भी बनाई हुई है। इस बारे में दुबई मेले मे स्टाल लगाने जा रहे गैलेक्सी बासमती चावल के निर्माता व गोयल इन्टरनेशनल प्रा. लि के सीएमडी विजय गोयल व विपुल गोयल ने जानकारी दी है।

तरावड़ी। गल्फ मेले में भाग लेने वाले चावल एक्सपोर्टस जानकारी देते विजय गोयल व विपुल गोयल।

घरौंडा: चोरों ने सर्विस रोड पर दो दुकानों को खंगाला

घरौंडा। अनाज मंडी के समीप सर्विस रोड पर दो दुकानों में हुई चोरी हो गई । दुकानदार इनवर्टर बैटरी व ट्रैक्टर रिपेयर का काम करते है । चोरो ने दोनों दुकानों से लाखों रुपए के सामान पर हाथ साफकर दिया। चोरों ने थाने से सो मीटर दूरी पर दिया घटना को अंजाम दिया है । पुलिस जांच में जुटी गई है। शहर में चोरी की वारदात लगातार बढ़ती जा रहे हैं। शुक्रवार की देर रात चोरों ने सर्विस रोड पर स्थित एक इनवर्टर बैटरी व एक ट्रैक्टर मैकेनिक की दुकान में सेंध लगाकर लाखों रुपए की बैटरी व तेल इत्यादि चोरी कर लिया। दोनों दुकान पुलिस थाने से 100 मीटर की दूरी पर है। दुकानदार ने बताया कि हर रोज की तरह वह शुक्रवार की शाम को करीब 7:00 बजे अपनी दुकानों को अच्छी तरह से बंद करके गए थे और शनिवार को सुबह जब वह दुकान पर आए तो उनकी दुकानों के शटर टूटे हुए थे।

कुरुक्षेत्र। धरने पर बैठे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कुरुक्षेत्र में सर्व कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री निवास के समक्ष दिया धरना

कुरुक्षेत्र। सर्व कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास समक्ष प्रदर्शन किया। इन सब मुद्दों के साथ साथ अपने 15 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय कुरुक्षेत्र पर दो दिवसीय धरना शुरू किया गया है। शनिवार को कुरुक्षेत्र, करनाल, पंचकूला, अम्बाला, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम, जींद जिलों के कर्मचारियों ने भाग लिया। रविवार 16 फरवरी को कैथल, यमुनानगर, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, दादरी, रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, नूंह, महेन्द्रगढ़ जिलों के कर्मचारी भाग लेंगे। धरने का संचालन महासचिव नरेश कुमार व उपमहासचिव सन्दीप सांगवान ने किया। धरने को राज्य सचिव मांगे राम तिगरा, जयवीर चहल, जगमिन्द्र, आडिटर मुकेश खरब, राज्य कमेटी सदस्य सुरेश राठी, जगमेन्द्र, रोडवेज वर्कर यूनियन के महासचिव सुमेर सिवाच, अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह, मैकेनिकल 41 से राजेन्द्र सिंह, रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह आदि ने सम्बोधित किया।

तरावड़ी शहर में बंदरों के आतंक से जीना दूभर

तरावड़ी। तरावड़ी शहर में पिछले कई दिनों से बंदरों ने आतंक मचाया हुआ है जिससे शहर के लोग काफी परेशान हैं। यह बंदर दिन भर छतों पर घूमते फिरते है और उछल कूद करते रहते हैं और लोगों को काटते हैं और छतों से कपड़े उठाकर भाग जाते हैं या कपड़े को फाड़ देते हैं। मायाराम कॉलोनी में भी बंदरों ने एक युवक पर हमला किया वह उसके हमले से बाल बाल बचा। नगर पालिका की ओर से कोई समाधान नहीं हो रहा। मायाराम कॉलोनी के कमल गर्ग, बृजमोहन, सनी गर्ग, मोहित, पंकज सतीश का कहना है कि पिछले कई दिनों से यह अचानक बंदर कॉलोनी में घुस गए हैं और छतों को ठिकाना बना लिया है।

बच्चों का संरक्षण सभी की जिम्मेदारी: अनिल लाठर

यमुनानगर। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य अनिल लाठर ने यमुनानगर दौरे के दौरान शनिवार को बच्चों के संरक्षण और अन्य पहलुओं पर कार्य कर रहे सभी विभागों के सदस्यों की बैठक ली। जिसमें बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, लेबर, स्वस्थ और शिक्षा विभाग के सदस्य मौजूद रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तरविंदर कौर ने आयोग सदस्य अनिल कुमार को पौधा देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

आयोग सदस्य अनिल लाठर ने कहा कि बच्चों के विषय पर गंभीरता से कार्य करने के लिए सभी विभागों को संवेदनशील हो कर कार्य करना होगा। बच्चों का शोषण उनमें जागरूकता की कमी के चलते होता है। बच्चों के संरक्षण को लेकर किशोर न्याय, पोक्सो अधिनियम में सख्त प्रावधान है। सभी जिलों में बाल संरक्षण इकाई जागरूकता अभियान के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस हेल्पलाइन 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में सभी को जानकारी होनी चाहिए।

फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदार से ठगी करने वाले तीन धरे

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस ने एप्प के जरिये नकली मैसेज भेजकर दुकानदार से धोखाधड़ी करने के तीन आरोपियों जोरावर उर्फ जोरा वासी सीवन जिला कैथल, अंकुश वासी पीडल जिला कैथल व शेखर बाबा वासी सीवन जिला कैथल को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर मामले में गिरफ्तार किया है। 10 फरवरी को थाना कृष्णा गेट पुलिस को दी अपनी शिकायत में नरेश कुमार वासी ज्योतिनगर कुरुक्षेत्र ने बताया कि उसका रोटरी चौक छोटा बाजार कुरुक्षेत्र मे जनरल स्टोर है। दिनांक 5 फरवरी 2025 की शाम को लगभग 8 बजे दो लडके उसकी दुकान पर नोटों का हार लेने के लिये आए। जिनकी कुल पेंमेंट 11 हजार रुपए थी, उन्होने हार की पेमेंट गुगल-पे के माध्यम से करने के लिये कहा। उन्होने पेमेंट करके मोबाईल मे उसे स्क्रीनशाट दिखा दिया और वो हार लेकर चले गये।

कंटेंट राइटिंग के लिए पाठकों की नब्ज पहचानना जरूरी : डॉ. जैन

यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कॉलेज के जनसंचार विभाग की ओर से कंटेंट राइटिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पंचकूला स्थित आईटी कंपनी ग्राजिट्टी इंटरएक्टिव की कंटेंट एसोसिएट लीड स्वाति मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ.मीनू जैन ने की। डॉ. मीनू जैन ने कहा कि कंटेंट राइटर्स की डिमांड दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कंटेंट राइटिंग के लिए भाषा पर पकड़ होना बेहद जरूरी है। फ्रीलांसर के तौर पर कंटेंट राइटिंग का कार्य शुरू कर बुलंदियों को छुआ जा सकता है। उन्होंने कहा कि कंटेंट राइटिंग करते समय अपने पाठकों की नब्ज को समझें और उनके इंट्रेस्ट के मुताबिक कंटेंट जनरेट करें। मुख्य वक्ता स्वाति ने कहा कि डिजिटल युग में ऑनलाइन कमाई के बहुत सारे तरीके हैं। कंटेंट राइटिंग उनमें से एक भरोसेमंद तरीका है। लिखने के शौकीन अपने शब्दों के जरिए दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए ब्लॉग बनाकर शुरूआत की जा सकती है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे रिसर्च कर बढ़िया आर्टिकल तैयार करें। अपने यूनिक आइडिया पर काम करें। इससे जहां फॉलोवर्स की संख्या बढ़ेगी, वहीं धीरे-धीरे आय भी शुरू होगी।

पाला बदला | जगाधरी की अनाज मंडी में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

तीन बार विधायक रहे बिशनलाल सैनी का भाजपा में शामिल होने पर सीएम सैनी ने किया स्वागत

- मेयर प्रत्याशी समेत 22 वार्डों के भाजपा प्रत्याशियों को जितवाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

तीन बार विधायक रहे बिशनलाल सैनी शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिशनलाल सैनी को भाजपा की सदस्यता दिलवाई। मौके पर मुख्यमंत्री ने निकाय चुनावों का शंखनाद करते हुए मेयर प्रत्याशी समेत सभी 22 वार्डों से भाजपा प्रत्याशियों को जितवाने का आह्वान किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा में शामिल पूर्व विधायक बिशन लाल सैनी, विशाल सैनी व अन्य कई नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में जो विकास हुआ है वह किसी भी सरकार में नहीं हुआ। यही वजह है कि आज हर वर्ग भाजपा सरकार से खुश है और ज्यादा से ज्यादा लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने राजनीति के मायने ही बदल दिए हैं। भाजपा में जो भी शामिल हो रहे हैं उनको पार्टी में पूरा मान-सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी जिलों का समान रूप से विकास किया जा रहा है। हरियाणा सरकार हरियाणा एक हरियाणवी एक नीति पर सभी का समान रूप से विकास करवा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत 2047 का जो लक्ष्य रखा गया है, उसमें हरियाणा अपनी भागेदारी निभाते हुए अहम रोल अदा करेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों को भी गिनवाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व सरकार में मंत्री रहे कंवरपाल द्वारा अपने हल्के में किए गए विकास कार्यों को गिनवाया और उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सौ प्रतिशत फसलें एमएसपी पर खरीदने का फैसला लिया है। जो कि पूरे भारत में एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा बेची जा रही फसलों का 72 घंटों में भुगतान किया जा रहा है। सरकार लगातार किसानों के हित में कार्य कर रही है।

यमुनानगर। अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक बिशनलाल सैनी का भाजपा में स्वागत करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य।

जो जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, उसको पूरी निष्ठा से निभाएंगे

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन बडौली ने भी भाजपा में शामिल हुए बिशन लाल सैनी समेत तमाम नेताओं व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। भाजपा में शामिल हुए बिशनलाल सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें जो भी जिम्मेवारी सौंपी जाएगी, उसको पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएंगे। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। मौके पर कृषि मंत्री श्यामसिंह राणा, यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, निवर्तमान मेयर मदन चौहान, पूर्व विधायक बलवंत सिंह, पूर्व विधायक ईश्वर पलाका, राजबीर बराड़ा, नीता खेड़ा, पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद, एसएससी बोर्ड के पूर्व चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी, मेयर प्रत्याशी सुमन बहमनी आदि मौजूद थे।

एक बार फिर आमने-सामने होंगे रेनू बाला और मनोज वधवा

करनाल मेयर चुनाव में इतिहास खुद को दोहराएगा या फिर लिखी जाएगी नई इबारत

धर्मेंद्र खुराना ⏭ करनाल

भाजपा ने सबसे पहले निकाय चुनाव में मेयर पद के सभी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। वहीं कांग्रेस ने भी अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। भाजपा ने जहां दूसरी बार निवर्तमान मेयर रेनू बाला गुप्ता पर भरोसा जताया है वही कांग्रेस ने भाजपा के बागी मनोज वधवा को टिकट देकर पंजाबी कार्ड खेला है। रोचक पहलू यह है की इतिहास फिर खुद को दोहराने को तैयार है क्योंकि पिछले चुनाव में भी मेयर के चुनाव में यही दोनों चेहरे आमने-सामने थे फर्क सिर्फ इतना था कि पिछली बार मनोज वाधवा की पत्नी आशा चुनाव लड़ा था। इस बार में खुद मैदान में है और उनके साथ कांग्रेस की पूरी टीम है इसलिए इस बार मुकाबला रोचक दिलचस्प होने वाला है। पिछले मेयर चुनाव में रेनू बाला गुप्ता ने रोचक मुकाबले में आशा वधवा को करीब 9100 वोटो से हराया था। उससे पहले हुए चुनाव में पार्षदों की वोटिंग के जरिए रेनू बाला गुप्ता नगर निगम की मेयर बनी थी। रेनू बाला गुप्ता दो बार मेयर बन चुकी हैं। जब 2013 में रेनू बाला गुप्ता निगम की मेयर बनी तब आशा वधवा के पति मनोज वधवा डिप्टी मेयर चुने गए थे। मगर अगले चुनाव में मनोज वधवा ने अपनी पत्नी आशा वधवा को सीधे मेयर चुनाव में रेनूबाला गुप्ता के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार दिया। यह मुकाबला इतना कड़ा था कि आशा वधवा 62000 वोट तो हासिल कर गई मगर रेनू बाला गुप्ता से करीब 9100 वोटो से हार गई। रेनू बाला गुप्ता सोमवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। सूत्र बता रहे हैं कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल या प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी अथवा दोनों ही नामांकन के समय करनाल आ सकते हैं। भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाने में कामयाब रही है। जबकि कांग्रेस लगातार दो बार अपनी सरकार बनने से चूक गई है। भाजपा ने हाल ही में 27 साल बाद दिल्ली में अपनी जीत का परचम लहराया है। भाजपा ने मेयर का टिकट वैश्य समाज को देकर जाति समीकरण भी साधा है। इसलिए कांग्रेस करनाल में पंजाबी उम्मीदवार उतारना चाहती है ताकि पंजाबी समाज को साध कर जीत का माहौल तैयार किया जा सके और भाजपा को शिकस्त दी जा सके। बीजेपी का सांसद और विधायक दोनों ही पंजाबी समुदाय से है। पूर्व मेयर रेनू बाला गुप्ता के पति बृज गुप्ता अब न केवल भाजपा के जिला अध्यक्ष हैं बल्कि राजनीति के मंजे हुए तेजतरार खिलाड़ी भी हैं।

भाजपा ने रेनू को इसलिए दी टिकट

करनाल से सांसद व विधायक पंजाबी समुदाय से हैं। पंजाबी वोटर के बाद सबसे ज्यादा वोट वैश्य समाज की है। वैश्य समाज पर और मजबूत पकड़ बनाने के लिए पार्टी ने तीसरी बार उनपर दांव खेला है। पिछले हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान रेणुबाला गुप्ता ने टिकट को लेकर दावेदारी पेश की थी। लेकिन उनकी जगह जगमोहन आनंद को टिकट दिया गया। टिकट न मिलने पर वह नाराज जरूर हुई थी। लेकिन पूर्व सीएम मनोहर व सीएम नायब सैनी उन्हें मना लिया था। जिसके बाद पार्टी ने उनके पति बृज गुप्ता को करनाल में भाजपा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया था। बता दें कि पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर को तीनों बार चुनाव जतीवाने में मेयर रेणुबाला गुप्ता के पति बृज गुप्ता का अहम रोल रहा है। मनोहर लाल व सीएम नायब सैनी के करीबी होना भी उनको टिकट मिलने का कारण माना जा रहा है। दूसरा रेणुबाला गुप्ता को टिकट मिलने का कारण सौम्य स्वभाव, बेदाग छवि, सेवा और पार्टी के प्रति कर्तव्यनिष्ठा माना जा रहा है। रेणुबाला गुप्ता को भाजपा ने कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। रेणुबाला करनाल की राजनीति में पूरी तरह सक्रिय हैं। वह लगातार दो बार करनाल की मेयर रह चुकी हैं। पांच साल पहले वह अखिल भारतीय मेयर परिषद की महासचिव रह चुकी हैं।

कांग्रेस ने मनोज पर जताया भरोसा

करनाल से कांग्रेस के उम्मीदवार मनोज वधवा यहां पार्टी का बड़ा पंजाबी चेहरा हैं। साल 2014 में वह इनेलो उम्मीदवार के तौर पर पूर्व सीएम मनोहर लाल के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। इसके बाद वे भाजपा में शामिल हो गए। हालांकि 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस जॉइन कर ली थी।

भाजपा ने उतारे अपने सभी प्रत्याशी: भाजपा ने वार्ड 1 से सुदेश रानी, वार्ड 2 से वेबी पाल, वार्ड 3 से राजेश कुमार, वार्ड 4 से भापेंद्र नौताना, वार्ड 5 से सुभाष चंद कंबोज, वार्ड 6 से रजनी प्रोचा, वार्ड 7 से जोगिंदर शर्मा, वार्ड 8 से संकल्प भंडारी, वार्ड 9 से सुजाता अरोड़ा, वार्ड 10 से पायल अरोड़ा, वार्ड 11 से संजीव मेहता, वार्ड 12 से मोनिका गर्ग, वार्ड 13 से अमित आहूजा, वार्ड 14 से अमृत लाल जोशी, वार्ड 15 से कंचन वर्मा, वार्ड 16 से रानी धानक, वार्ड 17 से ममता देवी सैनी, वार्ड 18 से हरजीत सिंह लाडी, वार्ड 19 से राजेश कुमार अग्गी और वार्ड 20 से सुधीर यादव को मैदान में उतारा है। असंध नगरपालिका उपचुनाव में सुनीता अरदाना को मैदान में उतारा गया है। वहीं, नीलोखेड़ी नपा चुनाव में सनमीत कौर आहूजा पर भरोसा जताया गया है। सनमीत कौर पहले भी चेयरमैन रह चुकी हैं। इंद्री नगरपालिका में जशपाल को टिकट दिया गया है।

सरसो व तोरिया की सरकारी खरीद जल्द शुरू करे सरकार : मेहला

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने सरकार से मांग की है कि सरसो व तोरिया की सरकारी खरीद जल्द से जल्द शुरू की जाए। किसान अपनी सरसो की फसल लेकर मंडियों में पहुंच चुके हैं। व्यापारी यह फसल 4500 से 4800 रुपए के बीच खरीद रहे हैं, जबकि सरकार ने 5950 रुपए एमएसपी तय की हुई है।

किसानों को फसले बेचने में 1200 रुपए से 1500 रुपए तक प्रति क्विंटल नुकसान हो रहा है। यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मेहला बलड़ी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जा रही है, जबकि फसलों की खरीद न तो समय पर शुरू की जाती है और न ही इन एमएसपी दी जा रही है। किसानों के पास फसल भंडारण के लिए संसाधन नहीं है। जब तक सरकारी खरीद शुरू होगी किसानों को भारी नुकसान हो चुका होगा। बहादुर मेहला ने कहा कि अगेती फसलों की खरीद सरकार को जल्द करनी चाहिए। किसानों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। सरकारी खरीद 25 मार्च के बाद होगी। जब तक सरकारी खरीद शुरू होगी तब तक किसानों की सरसों दलालों और व्यापारियों के हाथ में पहुंच जाएगी और बाद में वह इसे इसे एमएसपी पर बेचकर लाभ कमाएंगे।

करनाल की मंडियों का दौरा करने के बाद बहादुर मेहला ने कहा कि एक तरफ सरकार किसनों की आय दोगुणी करने का वादा करती है। अगर व्यापारी किसानों को ऐसे ही लूटते रहेंगे तो आय दोगुणा होना तो दूर की बात किसान पूरी तरह से कर्ज के बोझ तले डूब जाएगा।

राजकीय महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय बसंत महोत्सव मनाया

- कार्यक्रम के सफल आयोजन में समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ का भरपूर योगदान रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरौंडा

राजकीय महिला महाविद्यालय, बसताड़ा, घरौंडा में प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी के कुशल नेतृत्व एवं कार्यवाहक प्राचार्य श्री नरेश सिंह के योग्य मार्गदर्शन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती पूजा रानी के सार्थक प्रयासों से दो दिवसीय बसंत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसमें कविता पाठ, भाषण, चित्रकला, एकल लोकगीत गायन, सोलो डांस , ग्रुप डांस, मिमिक्री, मोनो एक्टिंग, वाद्य संगीत आदि विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने बहुल संख्या में बढ़ - चढ़कर कार्यक्रम में भाग लिया और रंगारंग प्रस्तुति देते हुए समारोह में भरपूर आनंद उठाया । शहीद उधम सिंह महाविद्यालय मटक मंजरी की पूर्व प्राचार्या डॉ. राजेश रानी ने मुख्य अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति देते हुए छात्राओं को बसंत महोत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संस्कृति एवं सभ्यता में भेद स्पष्ट किया और उन्हें नारी सशक्तिकरण के लिए सर्वांगीण विकास के निमित्त महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में अधिकतम संख्या में भाग लेने का संदेश दिया। प्राचार्य ने ग्रामीण संस्कृति से जुड़ाने के लिए प्रेरित किया ।

नगर निगम ने सेक्टर 12 में चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 को लेकर स्वच्छता गतिविधियां तेजी से चल रही हैं। शनिवार को इसे लेकर सेक्टर 12 क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर एच.एस.वी.पी. के खाली पड़े बड़े ब्लॉक्स तथा पार्कों की साफ-सफाई कर क्लीन किया गया है। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि अभियान में नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर, स्वच्छता चैम्पियन, स्वच्छ भारत टीम के अतिरिक्त शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सोसाईटी, विभिन्न सामाजिक संस्थाएं तथा निवासी कल्याण संघ ने एक साथ मिलकर सेक्टर

12 क्षेत्र की साफ-सफाई की। उन्होंने बताया कि शहर में नागरिक खाली मैदान या प्लॉट इत्यादि में कूड़ा-कचरा डाल देते हैं, जिससे धीरे-धीरे यह जी.वी.पी. बन जाते हैं। हालांकि समय-समय पर नगर निगम द्वारा सफाई अभियान के तहत ऐसे क्षेत्रों की साफ-सफाई की जाती है। ऐसे पॉयंट्स की साफ-सफाई की जा रही है।

सरस्वती मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह

- कलश यात्रा बसंत विहार के शिव मंदिर से चलकर विद्यालय तक पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

श्री रामचरित मानस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित भगवान श्री राम व मां सरस्वती मंदिर का सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शनिवार से शुरू हुआ। मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली गई। पीले वस्त्र धारण किए महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रहीं थीं। आगे-आगे युवक हाथों में निशान लिए जय श्रीराम, जय हनुमान के नारे लगाते हुए चले।

कलश यात्रा बसंत विहार के

शिव मंदिर से चलकर विद्यालय तक पहुंची। अनुष्ठान के पहले दिन आचार्य आशुतोष व अन्य पुजारियों ने वेदी निर्माण एवं मंत्र उच्चारण के साथ कलश यात्रा की शुरुआत की। विद्यालय में पहुंचकर आरती के साथ कलश यात्रा का समापन किया गया प्रसाद वितरण किया गया। 20 फरवरी को मूर्तियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। 21 फरवरी को मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य संदीप गौतम, ममता गौतम, अखिलेश गौतम व मीनाक्षी गौतम मौजूद रहे।

स्वर्ण पदक विजेता तपस्या का स्वागत

लाडवा। आईजीएन कालेज की तपस्या ने कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय चैंपियन बन गई है। तपस्या ने स्वर्ण पदक उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों के कुश्ती महिला मुकाबले में 57 किलोग्राम भार वर्ग में जीता है। तपस्या हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही थी। स्वर्ण पदक जीतकर तपस्या ने कॉलेज और माता पिता का नाम रोशन किया है। कालेज प्राचार्य डा.कुशल पाल ने कि कालेज में पहुंचने पर स्वर्ण पदक विजेता तपस्या का जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तपस्या के लगातार कुश्ती में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें हाल ही में हरियाणा राज्य द्वारा हरियाणा बाल कुमारी के सम्मान से भी नवाजा गया था और यह सम्मान प्राप्त करने वाली तपस्या कालेज की पहली छात्रा बनी थी। तपस्या ने थाईलैंड के राचा शहर में आयोजित जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था।

महावीर सिंह मलिक चेयरमैन बने

- नेशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा ने सौंपा नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

मानवाधिकारों की जागरूकता एवं सुरक्षा के लिए देशभर में कार्यरत भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन के नेशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा द्वारा हरियाणा प्रदेश टीम का विस्तार करते हुए रोहतक के वरिष्ठ समाजसेवी महावीर सिंह मलिक को हरियाणा का प्रदेश चेयरमैन नियुक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन के नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा ने नवनियुक्त पदाधिकारी महावीर सिंह मलिक को नियुक्ति पत्र सौंपकर पद की गरिमा में रहते हुए मानवाधिकारों की जागरूकता के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महावीर सिंह मलिक ने कहा कि वह मानवाधिकारों की जागरूकता के लिए देशभर में प्रोजेक्ट करेंगे और

अपनी टीम का विस्तार करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से मेहर सिंह टाइगर एवं धर्मवीर राठी उपस्थित थे। नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि महावीर सिंह मलिक रोहतक के विख्यात वरिष्ठ समाजसेवी है जो कई वर्षों से समाजसेवा के कार्यों में लगे हुई हैं। उन्होंने कहा कि फेडरेशन द्वारा मानवाधिकारों की जागरूकता के लिए काफी प्रोजेक्ट किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार वे नैतिक सिद्धान्त हैं जो मानव व्यवहार से सम्बन्धित कुछ निश्चित मानक स्थापित करता है।

निकाय चुनावों में भाजपा की होगी जीत

- भाजपा की टिकट पर नगर निगम मेयर एवं वार्ड पार्षद प्रत्याशी 17 को भरेंगे नामांकन
- रेलवे रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में बनेगा भाजपा का चुनावी कार्यालय
- विधानसभा चुनावों की तरह निगम चुनावों में भी भाजपा रचेगी इतिहास -भारत भूषण जुआल
- भाजपा हाईकमान ने करनाल नगर निगम में मेयर पद के लिए रेणु बाला गुप्ता पर फिर से

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

भाजपा ने नगर निगम चुनावों के लिए मेयर एवं वार्ड पार्षद के प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा हाईकमान ने करनाल नगर निगम में मेयर पद के लिए रेणु बाला गुप्ता पर फिर से विश्वास जताते हुए तीसरी बार अपना प्रत्याशी घोषित किया है।आज भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में नगर निगम चुनावों को गति प्रदान करने एवं नोमिनेशन प्रक्रिया की जानकारी देने हेतु भाजपा की टिकट पर चुनाव लडने वाले पार्षद पद के प्रत्याशियों की बैठक भाजपा करनाल जिला कार्यकारी अध्यक्ष बृज गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

अग्रवाल धर्मशाला में होगा हवन

करनाल नगर निगम के मेयर के लिए एवं सभी वार्डों के प्रत्याशी 17 तारीख को अपना नामांकन पत्र दाखिल भरेंगे । नामांकन से पूर्व भाजपा के चुनावी कार्यालय रेलवे रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में होगा हवन। इस मौके पर प्रदेश के वरिष्ठ नेतागण एवं मंत्री भी शामिल रहेंगे। इस मौके पर कार्यकारी जिला अध्यक्ष बृज गुप्ता एवं जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल ने कहा कि पूर्व में विधानसभा चुनावों में हुई ऐतिहासिक जीत की तरह भाजपा अब नगर निगम के चुनावों में इतिहास रचने जा रही है

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुख्य तौर पर हरियाणा सरकार के पूर्व उद्योग मंत्री शशि पाल मैहता,निवर्तमान मेयर रेणु बाला गुप्ता,भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक भंडारी, कृष्ण गर्ग,जिला उपाध्यक्ष राजबीर शर्मा,जिला महामंत्री सुनील गोयल, जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार ,कर्ण मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा, शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी,अर्बन मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना,अनिल चौहान अध्यक्ष कुंजपुरा मंडल एवं भाजपा की टिकट पर वार्ड चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रवचन अनमोलानंद जी महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

प्रेम वह दिव्य शक्ति है, जो सबको एक सूत्र में बांधती है : परम अनमोलानंद जी महाराज

मानव संसार मे आकर मोह माया के बंधन मे बंध कर प्रभु भक्ति को भूल गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

शनिवार को काटजू नगर किला मे आनन्द परिवार की ओर से संत समागम का आयोजन किया गया। जिसमे प्रातः 11 बजे गुरू आरती पूजा करने के पश्चात काटजू नगर की श्री आनन्दपुर कुटिया की बाई जी ने गुरूओं के प्रवचनों को साध संगत को फरमाया व कार्यक्रम में मध्यप्रदेश स्थित श्रीआनंदपुर धाम से पधारे परम पूजनीय महात्मा परम अनमोलानंद जी महाराज ने कहा कि संसार मे आने से पहले जीव प्रभु से वादा करके आया था कि मैं नामजप करूंगा और संसार मे जाकर प्रभु भक्ति करके अपने जीवन को भवसागर पार करूंगा। लेकिन संसार मे आकर मोह माया के बंधन मे बंध कर प्रभु भक्ति को

तरावड़ी। व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को प्रवचन सुनाते महात्मा परम अनमोलानंद जी महाराज

भूल गया है। उन्होने कहा कि गुरू भक्ति व प्रेम ही आत्मा का सच्चा आहार है, यही हमें संसार के दुखों से मुक्त करता है।

प्रेम हमें अपने और दूसरों के बीच की दूरी को मिटाकर एकता का अनुभव कराता है और जब तक हम दूसरों के लिए प्रेम नहीं कर सकते, तब तक हम सच्चे प्रेम को नहीं समझ सकते। वास्तव में तो ईश्वर से प्रेम करना सबसे बड़ा तप है, क्योंकि वह प्रेम हमें अपने भीतर की शांति और शक्ति से जोड़ता है। प्रेम वह दिव्य शक्ति है, जो सबको एक सूत्र में बांधती है। सच्चा प्रेम न दिखावा करता है, न कोई अपेक्षाएं रखता है, यह बस शुद्ध और निरंतर होता है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि अच्छे कर्म करो मरने के बाद स्वर्ग में जाओगे, सुबह शाम प्रभु का नाम लिया करो स्वर्ग में सुख पाओगे, मैंने कहा श्री आनंदपुर धाम जाओ जीते जी स्वर्ग देख पाओगे और सतगुरु जी के सामने दरबार में बैठ जाओ स्वर्ग को ही भूल जाओगे। प्रवचनों के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे श्रद्धालुओं प्रसाद रूपी भंडारा ग्रहण किया। इस अवसर पर आनन्द परिवार के मूलचन्द आनंद, आत्म आनंद पूर्व पार्षद, नरेश आनंद, विनोद आनंद, नरेश आनंद, श्री लाल चन्द, संजय आनंद, वेद सलूजा, पार्षद ओमप्रकाश मल्होत्रा, पार्षद नरेश गाबा, पार्षद सुरेन्द्र खुराना, योगेश मिडडा, विधायक भगवान दास की धर्मपत्नी सविता कबीरपंथी आदि मौजूद रहे।

तरावड़ी। संत समागम मे उपस्थित महिलाएं व पुरुष श्रद्धालुगण

सेमीफाइनल में केयूके स्टार ने मारी बाजी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के केयू सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के खेल मैदान में खेले गए गैर-शिक्षक अनौपचारिक प्रतियोगिता के मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केयूके स्पार्टन ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 162 रन का लक्ष्य विपक्षी टीम को दिया। मैच में कप्तान हरीश गैरोला ने 37 व शिव शर्मा ने 34 रन बनाए। केयूके स्टार की ओर से कपिल थापा ने 3, दीपक व जोनी वत्स ने 1-1 विकेट लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी केयूके स्टार की ओर से उपकप्तान शमशेर सिंह ने 27 गेंदों में 2 छक्के व 6 चौके लगाकर 55 रन की अहम पारी खेली। दूसरे बल्लेबाज जोनी वत्स ने भी साथ निभाते हुए 23 गेंदों में 1 छक्का व 2 चौके लगाकर 31 रन बनाकर मैच को आसान बना दिया। अमीर खान ने 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर गगनचुम्बी छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शानदार बल्लेबाजी के लिए शमशेर चौहान को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। इस जीत के साथ केयूके स्टार इलेवन फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई है। इसके साथ ही दूसरी टीम के फाइनल में जगह बनाने के लिए केयूके अकाउंट्स व केयूके स्पार्टन के बीच 23 फरवरी को मैच खेला जाएगा।

खबर संक्षेप

पानीपत। काव्य गोष्ठी में भाग लेते कविगण ।

राष्ट्रीय साहित्य चेतना मंच की काव्य गोष्ठी आयोजित

पानीपत। रिफाइनरी टाउनशिप में इम्लाइज क्लब और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पानीपत , बहादुरगढ़, गुरुग्राम, नोएडा, कैथल और करनाल क्षेत्र के कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति से समा बांधा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार केडी बिंदास,मुख्य अतिथि पानीपत के सिराज पैकरश रहे और विशिष्ठ अतिथि गुरुग्राम के कमलेश कुमार पालीवाल कमल और पानीपत के धर्मेंद्र अरोड़ा मुसाफिर रहे। इस अवसर पर कैथल से दिलबाग अकेला, कुमार राघव बहादुरगढ, मीना दहूजा, तारिक अनवर, अरुण कुमार, अरविंद भास्कर, डॉ.ओमबीर जांगड़ा चरखी दादरी आदि कवियों ने प्रतिभागिता करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ईवीएम से नहीं होंगे इस बार जिला बार के चुनाव

पानीपत। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव ईवीएम से नहीं होंगे। इसके लिए हरियाणा चुनाव आयोग ने सभी जिला बार को पत्र लिखकर मशीनें उपलब्ध न कराने को कहा है। चुनाव आयोग ने साफ तौर पर लिखा है कि प्रदेश में निकाय चुनाव होने के कारण मशीनें उपलब्ध नहीं होंगी। इसलिए अब बार चुनाव पहले की तरह बैलेट पेपर से ही होंगे।

गोपाल मंदिर और गुरुकुल निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ

समालखा। श्री गोपाल जी का मंदिर और गुरुकुल निर्माण कार्य आज भूमि पूजन करके किया गया। जमुना पुल के पास आटा रोड पेट्रोल पंप के सामने श्री गोपाल जी महाराज वृंदावन वाले द्वारा यह पूजन किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र करहाना, सुरेश स्वामी, सतीश कुमार,रामपाल शर्मा,रमेश शर्मा,दीपक त्यागी,सुनील देशवाल, राजसिंह,सुमित, सोनू कुमार,कटार सिंह ,राम रतन,कृष्ण कुमार व रामकरण आदि उपस्थित रहे।

बंद कैफे से सामान चोरी करने का तीसरा आरोपी काबू

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने जीटी रोड पर गांजबड़ गांव के नजदीक खोतपुरा मोड़ के पास स्थित बंद कैफे से सामान चोरी करने मामले में गिरोह के तीसरे आरोपी को कोहंड करनाल से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अजय निवासी कोहंड करनाल के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके अपने साथी आरोपी अजय निवास सींक व गौरव निवासी कोहंड करनाल के साथ मिलकर कैफे से सामान चोरी करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। शराब की लत पूरी करने व खाने पीने का शौक पूरा करने के लिए तीनों आरोपियों ने मिलकर कैफे से स्पीकर चोरी की उक्त वारदात को अंजाम दिया।

आमजन के साथ बैठक कर गांव की सुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में जाना

डीएसपी सतीश वत्स ने महराणा व बिंझौल गांव का दौरा किया

- सतीश वत्स ने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे नशे के साथ साथ अपराध से भी दूर रहें
- सभी ने अपराध व नशे पर अंकुश लगाने में पुलिस का सहयोग करने का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। डीएसपी सतीश वत्स ग्रामीणों को संबोधित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सतीश वत्स ने ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत आज गांव महराणा व बिंझौल का दौरा किया। उन्होंने गांव में आमजन के साथ बैठक कर गांव की सुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में जाना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही अपराधों की रोकथाम हेतु चर्चा की। डीएसपी सतीश वत्स ने कहा कि सरकार द्वारा नशे के विरुद्ध मुहिम चलाई गई है और सभी चाहते है कि प्रदेश नशे से मुक्त हो। पुलिस द्वारा गावों में लगातार जागरूकता के प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं। सतीश वत्स ने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे नशे के साथ साथ अपराध से भी दूर रहें व आपसी गुटबाजी से बचे। इस दौरान गांव की पंचायत व मौजिज व्यक्ति मौजूद रहें। सभी ने अपराध व नशे पर अंकुश लगाने में पुलिस का सहयोग करने का आश्वासन दिया। डीएसपी सतीश ने लोगों को साइबर क्राइम के बारे में भी जागरूक किया। इस दौरान आठ मरला चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर दीपक व थाना माडल टाउन से सब इंस्पेक्टर नवीन भी मौजूद रहे।

पानीपत। सनौली खुर्द में सीनियर सिटीजन मैराथन दौड़ में मेडल जीतने वाले त्रिलोकीनाथ व्यास को सम्मानित करते एसपी लोकेंद्र सिंह व अन्य। फोटो :हरिभूमि

ग्रामीण भ्रमण के तहत एसपी ने गावों का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बापौली

पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने ग्रमीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत आज थाना सनौली क्षेत्र के अंतर्गत यमुना तलहटी के सनौली खुर्द, नवादा आर, नवादा पार, गढ़ी बेसिक, नंगला पार, कुराड़ आदी गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव की पंचायत व ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव की सुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में जाना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। एसपी लोकेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस का प्रयास है कि पुलिस व आमजन में दुरी न रहकर आपसी समन्वय रहे। इस दौरान उन्होंने सीनियर सिटीजन मैराथन दौड़ में 6 मेडल जीतने वाले सनौली खुर्द गांव निवासी त्रिलोकीनाथ व्यास को भी सम्मानित किया और कहा कि युवाओं को इस बुजुर्ग से प्रेरणा लेकर आगे बढन्ना चाहिए और नशे जैसी बुरी आदतों से बचना चाहिए। इस मौके पर उपपुलिस अधीक्षक समालखा नरेंद्र सिंह, सनौली थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर विनोद व एसपी रीडर एएसआई सुभाष भी मौजूद रहें। एसपी सिहं ने कहा कि सरकार द्वारा नशे के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम में आमजन आगे आकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर अग्रणी भूमिका निभाए।

कोमल बनी पानीपत में भाजपा की मेयर पद की प्रत्याशी

पानीपत। पानीपत नगर निगम चुनाव में मेयर पद के लिए जनरल सीट है। इसके बावजूद भाजपा ने यहां ओबीसी चेहरा मैदान में उतारा है। भाजपा ने यहां पूर्व पार्षद कोमल सैनी को मेयर प्रत्याशी बनाया है। बीसी.बी वर्ग से आने वाली कोमल सैनी 2018 में वार्ड.11 से पार्षद बनी थी। भाजपा ने पंजाबी बिरादरी से पूर्व सांसद संजय भाटिया के मौसेरे भाई नवीन भाटिया, अग्रवाल समाज से संजय अग्रवाल और बीसी से कोमल सैनी का नाम भेजा था। एक दिन पहले ही इडी की रेड नहीं पड़ती तो संभवतः नवीन भाटिया की दावेदारी मजबूत मानी जा रही थी। बताया जा रहा है कि सीएम नायब सिंह सैनी ने कोमल सैनी की पैरवी की। कोमल भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष हैं। उनके ससुर रामकुमार सैनी भी पार्षद रह चुके हैं, जिनके सीएम नायब सैनी के साथ अच्छे संबंध हैं। टिकट मिलते ही कोमल के सैनी कॉलोनी स्थित आवास पर भाजपाई व समर्थकों बधाई देने के लिए तांता लगा हुआ है।

भक्तिमय हुआ द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक मेला

- कल आएंगे महामंडलेश्वर एवं आचार्यगण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। मेले में सांयकालीन पूजा करते बीके बहने व श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक मेला के तीसरे दिन भक्ति और आध्यात्मिकता की दिव्य झलक देखने को मिली। शाम के समय सैकड़ों श्रद्धालुओं और ब्रह्मा कुमार भाई एवं बहनों ने एक साथ शिव आरती की और भजन संध्या में भाग लिया। हर शाम सैकड़ों भक्तगण दीप जलाकर भगवान शिव की आरती कर रहे हैं, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। ब्रह्माकुमारों और बहनों द्वारा भजन और कीर्तन के माध्यम से भव्य शिव महिमा गाई जा रही है। वहीं कल 16 फरवरी को देश के प्रसिद्ध महामंडलेश्वर, आचार्य और आध्यात्मिक संत मेले का अवलोकन करने आ रहे हैं। जिसमें श्री श्री 1008 स्वामी दयानन्द सरस्वती महाराज मुरथल वाले,आचार्य स्वामी परमानंद महाराज मध्य प्रदेश, राजयोगिनी बीके सरला बहन सर्कल इंचार्ज पानीपत, राजयोगी बीके भारत भूषण भाई डायरेक्टर पानीपत,बीके डॉ.दामिनी अहमदाबाद, राजयोगिनी बीके सुनीता संचालिका हुडा सेंटर शामिल होंगे। इस अवसर पर आध्यात्मिक महासम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें यह सभी संत एवं आध्यात्मिक गुरु अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा बीके सुनीता ने बताया कि पहले 3 से 4 बजे तक बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम चलेगा, उसके पश्चात प्रवचन माला शुरू होगी । ब्रह्माकुमारीज ने शहरवासियों और श्रद्धालुओं से विशेष आग्रह किया है कि वे इस अनोखे आध्यात्मिक मेले में सम्मिलित होकर शिव बाबा के दिव्य संदेश को आत्मसात करें।

पड़ोस का युवक नाबालिग लड़की को लेकर फरार

इसराना। गांव अटावला में एक और प्रेम प्रसंग सामने आया है। जहां एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की वैलेंटाइन डे के दिन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। मामला थाना मतलौडा क्षेत्र का है। मामले की सूचना पर पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है, फिलहाल कोई सुराग नहीं लग पाया है। पीड़ित परिवार के मुताबिक 14 फरवरी को सुबह 10 बजे उनकी 17 साल 6 महीने की बेटी अचानक घर से गायब हो गई। मजदूरी करने वाले पिता को जब छोटे बच्चों ने बताया कि दीदी घर पर नहीं है तो उन्होंने चारों तरफ तलाश की। रिश्तेदारों से भी संपर्क किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। शाम को पता चला कि पड़ोस का एक युवक भी उसी समय से लापता है। इससे परिवार को शक हुआ कि दोनों साथ में भाग गए हैं। पीड़ित पिता ने बताया कि उनके परिवार में चार लड़कियां और एक लडक्का है। वह मेहनत.मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं। परिजनों ने थाना मतलौडा में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला दर्ज कर लिया है और दोनों की तलाश में जुटी है।

ग्लोबल वार्मिंग आने वाले समय के लिए खतरे की घंटी : प्रो.प्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बापौली

बापौली। विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए प्रो .प्रिया अग्रवाल। फोटो :हरिभूमि

क्षेत्र के गांव छाजपुर कलां स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मतलौड़ा के राजकीय महिला महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर प्रिया अग्रवाल रही। प्रिया अग्रवाल का विद्यालय में पहुंचने पर स्टाफ द्वारा स्वागत किया गया। प्रिया अग्रवाल ने विद्यार्थियों को ग्लोबल वार्मिंग के बारे में बताते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग कार्बन और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण, समुद्र तल में वृद्धि, वायु प्रदूषण में वृद्धि और विभिन्न क्षेत्रों में चरम मौसम की स्थिति सहित कई नकारात्मक नतीजों का कारण बना है। इस अवसर पर प्राचार्य ज्योति,अध्यापक दिनेश, विनोद, परविंद्र, जितेंद्र व अजय कुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डॉ.अजय कुमार गर्ग के योगदान की सराहना की

- डॉ.अजय गर्ग ने कालेज को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया : धर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। पूर्व प्राचार्य डॉ.अजय गर्ग को सम्मानित करते प्रबंधक समिति के पदाधिकार।

आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पूर्व प्राचार्य डॉ.अजय कुमार गर्ग के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भावनाओं से भरा हुआ रहा। जहां सभी ने प्राचार्य के योगदान को याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। महाविद्यालय की प्रबंधक समिति के प्रधान धर्मबीर बत्रा ने प्राचार्य डॉ.अजय कुमार गर्ग के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी दूरदृष्टि और नेतृत्व क्षमता ने संस्थान को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। उपप्रधान बलराम नंदवानी ने कहा कि डा. गर्ग ने अपने कार्यकाल में बहुमूल्य सेवाएं दीं और शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दिया। समिति के सदस्य महासचिव एलएन मिगलानी, परमवीर धींगरा, रवि गोसाईं, युधिष्ठिर मिगलानी, मोहन लाल अघी, अरुण बत्रा व अन्य सदस्यों ने अपने.अपने शब्दों में भाव व्यक्त किये।

बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। बाल विवाह पर जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य सखी अभियान के तहत आज राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बॉयज नौल्था और राजकीय उच्च विद्यालय डिकाडला में विद्यार्थियों को बाल विवाह और मासिक धर्म प्रबंधन पर किया गया जागरूक। जिसमें एमडीडी ऑफ इंडिया से जिला समन्वयक संजय कुमार ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में सबसे बड़ी रुकावट है और उल्ट बच्चों के अधिकारों पर कुठाराघात है। हम बाल विवाह नामक बुराई को खत्म करके ही सशक्त और विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने बाल विवाह मुक्त भारत बनाने को लेकर शपथ दिलाई। स्वास्थ्य विभाग से काउंसलर कुलदीप ने छात्राओं को बताया कि माहवारी का चक्र 21 से 31 दिन का हो सकता है तथा इसकी शुरूआत 8 साल से 17 साल की आयु में होती है। पायल ने बताया कि माहवारी के दौरान पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य हर्षवीर, बीना खन्ना, अध्यापिका किरण बाला, अनीता रानी, रेखा, प्रमिला, रीना, सुखदेव, बिजेंद्र, अनिल, संगीत, मुकेश, श्रवण और महिला एवं बाल विकास विभाग से सुपरवाइजर पिंकी आदि मौजूद रहे।

एमएएसडी स्कूल में पुष्प सज्जा प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

बच्चों की फूलों के प्रति रुचि बनाए रखने हेतु एमएएसडी पब्लिक स्कूल में कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए पुष्प सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गेंदा, गुलाब, चम्पा, चमेली, गुडहल, सूरजमुखी आदि फूलों से स्कूल का प्रांगण महक उठा। निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रधानाचार्या डॉ.बबिता भारद्वाज और अध्यापिका सुशोभिता ने निभाई। वहीं प्रधानाचार्या ने डॉ.बबिता भारद्वाज ने सभी का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को प्रकृति के प्रति अपने प्रेम को इसी तरह बनाए रखने को कहा और विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

भानु प्रकाश शास्त्री बरेली के भजनों पर झूमे आर्य समाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक ।

आर्य समाज गुरु विरजानन्द भवन खैल बाजार में आज 3 दिवसीय वार्षिक उत्सव और भव्य यज्ञशाला शिलान्यास कार्यक्रम का द्वितीय दिवस श्रेष्ठ कर्म यज्ञ के माध्यम से विशेष रूप से दिल्ली से आई वेद मंत्र उदगाता अंशु शास्त्री व हेमलता शास्त्री ने मंत्रों से कराया। सम्मानित अतिथि नरेंद्र जैन, सुरेश नारंग, सुरेश चुघ, दिवेश बत्रा का स्वागत प्रधान बलराज एलावादी ने ओम की माला से किया। वहीं भजन सम्राट भानु प्रकाश शास्त्री बरेली ने ओम के भजन प्रस्तुत किए। इसके अजावा वैदिक विद्वान डॉ.जयेंद्र कुमार ने यथार्थ उपदेश के विशेष महत्व को ब समझाया। मंच संचालन आचार्य राजकुमार शास्त्री और बृज किशोर शास्त्री ने किया। इस अवसर पर संरक्षक हरचरण दास अरोड़ा, सुनील बत्रा, प्रधान बलराज एलावादी, महेंद्र ढींगरा,अशोक वर्मा, राजेश आर्य,कमलेश लीखा,कमलेश कथुरिया,कविता भाटिया,उमा ढींगरा,मनोहर लाल आदि मौजूद रहे।

महोत्सव कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए 5 विद्याओं में किया क्वालीफाई

आर्य कॉलेज ने इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जोन युवा महोत्सव में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। ट्राफी के साथ विजेता आर्य कालेज की टीम। फोटो :हरिभूमि

आर्य पीजी कॉलेज ने एआईयू इंटर.यूनिवर्सिटी में ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिसार में आयोजित 38वें नॉर्थ.वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में भाग लिया। महाविद्यालय की टीम ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रीतिनिधित्व करते हुए पांच विधाऐं स्कीट और मिमिक्री में प्रथम, वन.ऐक्ट प्ले में द्वितीय, फॉक ऑर्केस्ट्रा और फॉक ग्रुप डांस में तृतीय स्थान हासिल कर जीत का परचम लहराने का काम किया। वहीं कॉलेज के प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने सभी विजेता प्रतिभागियों का कॉलेज में पहुंचने पर स्वागत किया व सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने इस सफलता के लिए कॉलेज सांस्कृतिक कार्यकर्मों के निदेशक डॉ.रामनिवास, प्रभारी प्राध्यापिका मीनाक्षी चौधरी, डॉ.नीलू खालसा, डॉ.विजय सहित अन्य स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने बताया की सांस्कृतिक प्रोसेशन में 23 यूनिवर्सिटी ने भाग लिया। जिसमे की कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया की कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 35 विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया की युवा महोत्सव में आर्य महाविद्यालय की टीम ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए थिएटर की ओवरऑल ट्रॉफी पर लगातार तीसरी बार कब्जा किया साथ ही फॉक ग्रुप डांस की ओवरऑल रनर.उप ट्रॉफी जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन करने का भी काम किया है। उन्होंने बताया की विजेता टीम आने वाली 3 मार्च से शुरू हो रहे नैशनल यूथ फेस्टिवल में भी कुरुक्षेत्र विश्वविदयालय का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्यक्रम में भाग लेगी। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निदेशक डॉ.रामनिवास ने कहा की ऐसे महोत्सव छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। इस अवसर पर उपाचार्या डॉ.अनुराधा सिंह ,प्रो.सतबीर, प्रो.हरविंद्रजीत कौर, डॉ.गीतांजली, डॉ.मधु गाबा, डॉ.अनिल वर्मा, डॉ.अदिती मित्तल, डॉ.मीनल बतरा, प्रो.आस्था गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मेयर चुनाव में भाजपा ने सैलजा तो कांग्रेस ने अमीषा को मैदान में उतारा

किसी अन्य दल ने नहीं दिखाई चुनाव को लेकर दिलचस्पी

- कांग्रेस उम्मीदवार अमीषा कल करेगी नामांकन
- भाजपा प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नगर निगम में मेयर के उपचुनाव को लेकर भाजपा-कांग्रेस में इस बार आमने सामने की सीधी टक्कर होगी। किसी अन्य दल ने इस बार मेयर उपचुनाव को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

भाजपा ने इस बार मनोनीत निगम सदस्य एडवोकेट संदीप सचदेवा की पत्नी सैलजा सचदेवा को मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने पिछली बार हरियाणा डेमोक्रेटिक फ्रंट के बैनर तले मेयर चुनाव लड़ चुकी अमीषा चावला को सर्वसम्मति से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। विधायक निर्मल सिंह ने शनिवार को पार्टी नेताओं के साथ विचार विमर्श करने के बाद अमीषा चावला के नाम का ऐलान किया है। निगम चुनाव में मेयर पद के लिए पहली बार पंजाबी समुदाय से जुड़ी दो महिला उम्मीदवारों में कड़ी टक्कर होने की संभावना जताई जा रही है।

30 साल तक पार्टी की सेवा का मिला फल

भाजपा के वरिष्ठ नेता एडवोकेट संदीप सचदेवा 30 सालों से भाजपा से जुड़े हैं। उपचुनाव में भाजपा ने उनकी पत्नी सैलजा सचदेवा को मेयर की टिकट देकर उनकी सेवाओं का फल दिया है। एडवोकेट संदीप सचदेवा विधायक की टिकट के भी दावेदार थे। हालांकि पहले मेयर की टिकट के लिए भी सैलजा सचदेवा की दावेदारी बेहद मजबूत थी लेकिन तब पार्टी ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा की पत्नी वंदना शर्मा को टिकट देकर मैदान में उतारा था। तब वंदना शर्मा को शिकस्त देकर पूर्व मंत्री विनोद शर्मा की पत्नी शक्ति रानी शर्मा मेयर बनी थी। अब शक्ति रानी शर्मा भाजपा की टिकट पर कालका से विधायक बन गई हैं। इसी वजह से मेयर की सीट खाली हो गई। इस बार भी वंदना टिकट की मजबूत दावेदार थे लेकिन पार्टी ने उनकी बजाय सैलजा सचदेवा पर दांव लगाया है।

एक दिन पहले ही टिकट मिलने के बाद शनिवार को सैलजा सचदेवा ने भाजपा उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान परिवहन एवं उर्जा मंत्री अनिल विज व पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल भी मौजूद थे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से स्नातक सैलजा सचदेवा भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य है। पहली बार वे कोई चुनाव लड़ रही हैं। पति के साथ वे भी लंबे समय से भाजपा को अपनी सेवाएं दे रही हैं।

अंबाला। भाजपा की मेयर उम्मीदवार सैलजा सचदेवा नामांकन पत्र दाखिल करती हुई।

अंबाला। कांग्रेस उम्मीदवार अमीषा चावला विधायक निर्मल सिंह व अन्य नेताओं के साथ।

कांग्रेस ने सर्वसम्मति से लिया फैसला

मेयर के उपचुनाव को लेकर इस बार कांग्रेस के पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। मेयर के दस महीने के कार्यकाल की वजह से ज्यादातर कांग्रेसियों ने चुनाव से अपने हाथ खींच लिए। इसी वजह से अब तत्कालीन सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मीडिया एडवाइजर रहे स्वर्गीय बिट्टू चावला की पत्नी अमीषा चावला को सर्वसम्मति से मेयर का उम्मीदवार बनाया गया। चार साल पहले भी अमीषा चावला मेयर का चुनाव लड़कर तीसरे नंबर पर रही थी। इस बार उनके पास कांग्रेस की टिकट है तो यह माना जा रहा है कि दोनों प्रत्याशियों में कड़ा मुकाबला होगा। विधायक निर्मल सिंह ने कांग्रेस भवन में आयोजत मीटिंग के बाद अमीषा के नाम का ऐलान किया। सोमवार को अमीषा के नामांकन पत्र दाखिल करने की बात कही जा रही है।

भाजपा उम्मीदवारों की सूची पर बवाल

नगर परिषद चुनाव

अंबाला। अंबाला छावनी में सदर नगर परिषद चुनाव के लिए भाजपा की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची पर बवाल हो गया। शुक्रवार देर शाम जारी सूची में पार्टी ने पूर्व निगम सदस्य स्वर्ण कौर को नगर परिषद चेयरपर्सन पद का उम्मीदवार घोषित किया था। साथ ही सभी 32 वार्डों से भी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। इस सूची में परिवहन एवं उर्जा मंत्री अनिल विज के कई समर्थकों की टिकट कटने के बाद शनिवार को बवाल हो गया। टिकट कटने से नाराज ज्यादातर समर्थक विज के आवास पर जमा हो गए। टिकट आवंटन को लेकर इन समर्थकों ने पार्टी हाईकमान के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। हालांकि मुलाकात के बाद परिवहन मंत्री अनिल विज ने जारी सूची पर रोक लगाने की बात की। पता चला है कि समर्थकों के दबाव में विज ने तुरंत ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ईमेल कर पूरे मामले से अवगत करवाया। इसके बाद जारी सूची पर रोक लगने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी तक पार्टी की ओर से सूची होल्ड होने को लेकर कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। अंबाला सदर नगर परिषद चुनाव के लिए भाजपा की ओर से जारी सूची में सभी 32 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। पता चला है कि इस सूची से ज्यादा विज समर्थक उम्मीदवारों को टिकट नहीं दी गई। जारी सूची में वार्ड नंबर 1 से भारत कोछड़, 2 से रीना, 3 से मोहित कौशिक, 4 से शिल्पा पासी, 5 से नानक चंद, 6 से उम्मेद राणा, 7 से शील नैन, 8 से रोहित गौड़, 9 से स्वाति कौशिक, 10 से प्रवेश सोबती, 11 से आंचल सैनी, 12 से सतीश धीमान, 13 से रितु शर्मा, 14 से नरेश कुमार शर्मा, 15 से भूपेश शर्मा, 16 से भोली बिंद्रा, 17 से रश्मि वर्मा, 18 से श्याम सुंदर अरोड़ा, 19 से गौरव सैनी, 20 से प्रियंका, 21 से बलिंद्र पाल, 22 से प्रमोद शर्मा, 23 से ललता प्रसाद, 24 से दिनेश नागर, 25 से शालिनी सोनकर, 26 से नरेश धवन, 27 से विजय, 28 से आशीष जायसवाल, 29 से नीतू, 30 से सुनील निदारिया, 31 से मीनू तुली, 32 से सुनीता कपूर शामिल है।

खबर संक्षेप

नारायणगढ़ में नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को

अंबाला। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रवीन ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय व सब डिवीजन नारायणगढ़ की अदालतों में 8 मार्च 2025 को किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थाई लोक अदालत व उपभोक्ता अदालत में नेशनल लोक अदालत 7 मार्च 2025 को किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर 0171-2532142 व 9991112660 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्टैम मेले में छात्रों ने मॉडल प्रदर्शित किए

बराड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्टैम मेला 2025 का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान और गणित पर आधारित विभिन्न प्रोजेक्ट एवं मॉडल की प्रदर्शनी लगाई। स्टैम मंच के अंतर्गत आयोजित इस मेले में स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने चार्ट एवं अन्य सहायक साधनों के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट की ज्ञानवर्धक जानकारी सांझा की। प्रधानाचार्या मंजू बाला ने कहा कि यह मेला सरकार द्वारा चलाए जा रहे उत्कृष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों में से एक है।

युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी, आरोपी काबू

अंबाला। बरौली रोड पर बरसोत नदी के पुल पर मिले 22 वर्षीय दीपांकर के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझ गई है। मई माह में जब शव मिला था तो परिजनों ने इत्तेफाकन मौत की कार्रवाई करवाई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या का खुलासा हुआ था कि ईंट व पत्थर से सिर व कंधे पर वार हुआ था। इस मामले में नारायणगढ़ पुलिस ने करीब नौ माह बाद आरोपी रजत को काबू किया है। पकड़ा गया आरोपी मृतक दीपांकर का ही दोस्त है। इस मामले में अंकित कुमार उर्फ चौटाला को भी नामजद कर रखा है। अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बंदियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया

कुरुक्षेत्र। जिला एवं सत्र न्यायधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र के सीजेएम एवं सचिव नितिन राज द्वारा स्वास्थ्य सखी : मासिक धर्म स्वच्छता हेतु बाधाओं को तोड़ना पर जागरुकता कैंप लगाए गए है। इसके तहत जिला कारागार में यह कैंप लगाया गया और महिला बंदियों को डॉ आरती द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया गया।

रेलवे स्टेशन पर नियुक्त किए 10 सफाई कर्मचारी

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर रेलवे ने 10 अतिरिक्त कर्मचारियों को साफ सफाई के लिए तैनात किया है। इसके अलावा स्टेशन पर सफाई इंप्रेस्ड को 30 हजार से बढ़ाकर 60 हजार करने के लिए भी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसकी जल्द मंजूरी मिलने की संभावना जताई जा रही है। रेलवे महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि 13 अन्य क्लस्टर स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई और हाउसकीपिंग का ठेका देने का प्रस्ताव भी शुरू किया गया है।

परीक्षा से पहले छात्रों ने हवन में आहुतियां दी

- डीएवी पब्लिक स्कूल में विशेष हवन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

डीएवी पब्लिक स्कूल में स्वामी दयानंद सरस्वती जन्म जयंती पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को दसवीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को नैतिक एवं आध्यात्मिक बल प्रदान करना था, जिससे वे अपनी परीक्षाओं में आत्मविश्वास और सकारात्मकता के साथ सफलता प्राप्त कर सकें। हवन में पंडित नवीन आर्य ने वेद मंत्रों का उच्चारण कर विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। प्राचार्य डॉ. राधा रमण सूरी ने विद्यार्थियों को परीक्षा नियमों का पालन करने, अनुशासित रहने और कठिन परिश्रम के महत्व को समझाया। स्वामी दयानंद जयंती पखवाड़े के अंतर्गत विद्यालय में कई दिनों से वेद प्रचार, नैतिक शिक्षा और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में परीक्षा पूर्व यह हवन आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को न केवल विद्या का बल मिले, बल्कि वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से प्रेरित होकर राष्ट्रहित में योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिक बन सकें। हवन के पश्चात विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित पहुँचाने हेतु विद्यालय प्रशासन द्वारा बसों की उचित व्यवस्था की गई।

इस शुभ अवसर पर शिक्षकगण और अभिभावक भी उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता हेतु प्रोत्साहित किया।

अंबाला। हवन में आहुतियां डालते जजमान व छात्र।

चेयरमैन के लिए दो उम्मीदवारों ने दाखिल कराए पर्चे

- सदर नप के सदस्य पर आठ ने दाखिल किए नामांकन पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

नगरपालिका चुनाव में चेयरमैन पद हेतु शनिवार को दो उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नप सदस्य के लिए भी आठ उम्मीदवारों ने अपना पर्चा दाखिल किया है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अमित भारद्वाज ने बताया कि नगरपालिका चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया जारी है। नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन चेयरमैन पद के लिए वंदना कुमारी व रीटा रानी ने नामांकन पत्र भरा है। इसी प्रकार सदस्य पद के लिए वार्ड नंबर-16 से गुरजिंदर, पूजा रानी व अनु ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी तरह वार्ड नंबर-7 से रीना कुमारी व राजकली, वार्ड नंबर 15 से सुरेश कुमार, वार्ड नंबर 12 से अनिता यादव, वार्ड नंबर 4 से प्रवेश कुमार, वार्ड नंबर 3 से रजनी धीमान ने नामांकन किया है।

बराड़ा। नप चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करती एक उम्मीदवार ।

नौ उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

अंबाला। अंबाला सदर नगर परिषद के चुनाव के दृष्टिगत शनिवार को सदस्य पद के लिए 9 उम्मीदवारों ने एआरओ एवं तहसीलदार के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। इनमें वार्ड नंबर 11 से सोनिया व मिनाक्षी ने नामांकन दाखिल किया। इसी प्रकार वार्ड नंबर 12 से किरण वर्मा व परमदीप और वार्ड नंबर 5 से सुशील कुमार व जीवन कुमार ने नामांकन दाखिल किया। वार्ड नंबर 7 से गुरचरन सिंह, वार्ड नंबर 1 से हरमीत सिंह, वार्ड नंबर 3 से हरदीप सिंह ने नामांकन दाखिल किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि जिलें में नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत नामांकन प्रक्रिया के तहत सभी तैयारियां की हुई हैं।

उन्होंने बताया कि 17 फरवरी तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकते हैं। 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 19 फरवरी को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक नामांकन वापिस ले सकते हैं। इसी दिन 3 बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आबंटित कर दिए जाएंगे। 19 फरवरी को ही चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों की सूची मतदान केंद्रों पर चस्पा दी जाएगी। 2 मार्च को मतदान होगा और 12 मार्च को मतगणना का कार्य किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय के 45 छात्रों ने किया रक्तदान

अंबाला। छावनी स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेड क्रॉस सेल, सड़क सुरक्षा समिति, एल्युमनी एसोसिएशन, एग्जाम ब्रांच, एनएसएस एवं एनसीसी के संयुक्त तत्त्ववधान में नमिशा फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ से डॉक्टर्स की टीम पहुंची। इस कैंप का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य तथा उच्चतर शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजीत सिंह के मार्गदर्शन तथा नेतृत्व में किया गया। कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय उप प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. देस राज बाजवा ने शिरकत की। मुख्य अतिथि ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई भी दान नहीं है तथा यह एक समाज सेवा भी है जिसके लिए हमे तत्पर रहना चाहिए। छात्रों तथा स्वयंसेवकों को इस कार्य में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। यूथ रेड क्रॉस काउंसलर प्रोफेसर डॉ. नायब सिंह ने बताया कि इस कैंप में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। 45 विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए उपयुक्त पाया गया। अंबाला कैंट की नमीषा फाउंडेशन से अनेक पदाधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की। फाउंडेशन के प्रधान राजेश कुमार ने बताया कि वह किसी न किसी बड़े संस्थान के साथ मिलकर प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर करवाते हैं। महाविद्यालय की सड़क सुरक्षा समिति के कन्वीनर प्रोफेसर रविंद्र कुमार ढुबला ने बताया कि जनसाधारण को रक्तदान व अंगदान के प्रति और अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है और महाविद्यालय का यह कार्य सैकड़ो युवाओं को प्रेरणा देता है। वरिष्ठ प्राध्यापक गुरविंदर सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है और प्रत्येक वर्ष रक्तदान के प्रति युवा में उत्साह विद्युत देखने को मिलता है।

एकल नृत्य में छात्राओं ने जमाया रंग

बराड़ा। शैमफॉर्ड विद्यालय के प्रांगण में शनिवार को अंतर सदनीय एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की नृत्य प्रतिभा को मंच प्रदान करने और उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति को निखारने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों - शैम रेड, शैम गोल्ड, शैम ब्लू और शैम ग्रीन के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, फिल्मी, सांस्कृतिक, पश्चिमी और हिप-हॉप जैसी विभिन्न नृत्य शैलियों में शानदार प्रस्तुतियां दीं। उनके हावभाव, वेशभूषा, गीत चयन और समग्र प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल ने समय प्रबंधन, वेशभूषा, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के आधार पर प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में शैम रेड सदन की आराध्या जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान शैम ब्लू सदन की जान्या को मिला, जबकि तीसरे स्थान पर शैम रेड सदन की सायना और शैम ब्लू सदन की तपस्या रहीं। इसके अलावा, परी, दियाना शर्मा, इशप्रीत कौर और जसमीत कौर को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रुबी शर्मा ने विजेताओं की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और कला कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह आयोजन न केवल मनोरंजक रहा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव भी बना।

एनआईईएलआईटी के सम्मेलन में नौकरियों पर एआई के प्रभाव की चर्चा

रोपड़/चंडीगढ़। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) ने पंजाब के रोपड़ परिसर में संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर तीसरे एनआईईएलआईटी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया भर से शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों और छात्रों के समूह ने भाग लिया, जिससे सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा मिला। एनआईसीईडीटी-2025 ने आईईसीटी के भविष्य को आकार देने में डिजिटल नवाचार, टिकाऊ प्रौद्योगिकी और अंतःविषय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। दूसरे दिन "कार्यबल परिवर्तन: नौकरियों पर एआई का प्रभाव" विषय पर पैनल चर्चा थी। पैनलिस्ट में एनएएसएससीओएम में आईटीज सेक्टर स्किल्स काउंसिल की पूर्व सीईओ कीर्ति सेठ, एनआईसी के वरिष्ठ निदेशक डॉ. अमित मिश्रा; ग्रीन यूनिवर्सिटी, श्रीलंका के एनएसबीएम की डॉ. थिलिनी डी सिल्वा; सुचामा एआई के सह-संस्थापक संजय शेखावत; अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के वैज्ञानिक अरुण चौधरी शामिल थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

जीएमएन कॉलेज में बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

आकांक्षा और रोशन रहे प्रथम स्थान पर

- मानसिक मजबूती व अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जीएमएन कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कॉलेज ऑडिटोरियम में पुरुष और महिला छात्रों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 32 खिलाड़ियों (16 लड़कियां और 16 लड़के) ने भाग लिया और अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। महिला वर्ग में बैडमिंटन मैच में 16 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें बीकॉम द्वितीय वर्ष की आकांक्षा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीकॉम द्वितीय वर्ष की अंकिता ने द्वितीय स्थान और एमए पॉलिटिकल साइंस प्रथम वर्ष की कृतिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में बैडमिंटन मैच में भी 16 छात्रों ने भाग लिया। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में बीसीए द्वितीय वर्ष के रोशन राणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, बीसीए द्वितीय वर्ष के गोरंश लांबा ने द्वितीय स्थान तथा बीकॉम अंतिम वर्ष के मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षा विभाग के संयोजक बृजेश कुमार ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया और प्रतियोगिता को सुचारू रूप से संचालित किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विजेताओं को बधाई दी और अन्य छात्रों को भी खेलों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि मानसिक मजबूती और अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. एसएस. नैन, डॉ. एसके पांड्ेय, डॉ. राजेंद्र देशवाल, डॉ. अनुराधा और प्रो. तृप्ति शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अंबाला। प्रतियोगिता पर कब्जा जमाने वाले छात्र।

महिलाओं को स्वच्छता बरतने की दी जानकारी

अंबाला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवीन की अध्यक्षता में गांव मटहेडी जट्टां स्थित आंगनवाड़ी भवन में मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पैनल अधिवक्ता कानूनी स्वयं सेवक सोनिया व कम्यूनिटी हेल्थ अधिकारी अवनिता मौजूद रही। कम्युनिटी हेल्थ अधिकारी अवनिता ने इस मौके पर उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता बारे जागरूक करते हुए कहा कि हर महिला मासिक धर्म में स्वच्छता का पालन करें। अन्य महिलाओं को भी उसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है , इससे किसी भी तरह की शर्मिंदगी या झिझक का कारण नहीं बनना चाहिए। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए सैनेटरी पैड, टेंपोन या मेंस्ट्रुअल कप का सही इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने सभी से समाज के विभिन्न हिस्सों में रह रही महिलाओं विशेषकर किशोर लड़कियों को उस बारे में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक रविवार 16 फरवरी 2025

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेंड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्‌गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादकः** कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

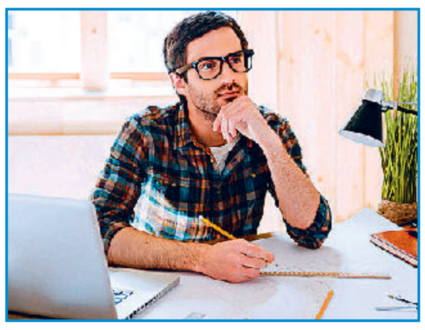

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात
पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं,'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'